उच्च मूल्य वर्ग के नोटों की उपलब्धता

*399. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रुपये के घटते मूल्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक बैंक में 500 रुपये मूल्य वर्ग के नोटों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार 1000 रुपए मूल्य वर्ग के नोट उपलब्ध कराने का भी विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्यमंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री (डा० अबरार अहमद) :

: (क) भारतीय रिजर्व बैंक 3 अक्तूबर, 1987 से बैंकों को 500 रुपए मूल्य वर्ग के नोट जारी करता रहा है। तथापि, मुद्रण क्षमता की कमी के कारण देवास स्थित सरकारी नोट मुद्रणालय भारतीय रिजर्व बैंक की 500 रुपए मूल्य वर्ग के नए नोटों की मांग को पूर्णतः पूरा करने में असमर्थ है।

(ख) जून, 1992 के अन्त तक जारी किए गए 500 रुपए के नोटों की कुल मात्रा और उनका मूल्य क्रमशः 803.5 लाख अदद और 4017.63 करोड़ रुपए था।

(ग) ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

(घ) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

(ङ) भारतीय रिजर्व बैंक ने सरकार को सूचित किया है कि 1000 रुपए मूल्य वर्ग के नोट आरम्भ किए जाने पर विचार करने के लिए समय उपयुक्त नहीं है ।

Telecom Research Centre in the Country

*400. SHRI G. PRATHAPA REDDY :
DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR :

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) what is the total strength of the employees of the Telecom Research Centre and the total amount of money being annually spent on it;

(b) what is the nature of the latest research being done at this Centre;

(c) what is the reason that this Centre has not provided or developed technology relating to cellular telephones and paging devices; and

(d) whether this Centre has become redundant in view of Government's policy of liberalisation by which all latest technology is available ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM) : (a) to (d) The original Telecom Research Centre (TRC) under Department of Telecommunication set up in 1956 continued till 1988. The manpower of TRC in 1988 was about 450. Thereafter the TRC was bifurcated into "TRC Society" and "Telecom Engineering Centre (TEC)". The TRC Society was entrusted with exclusing development of Transmission systems. The "TRC Society" subsequently was merged with Centre for Development of Telematics in 1989. TEC continues to function to carry-out activities such as standardisation, validation of systems, validation of products for induction to DOT network, study and field trial of new technologies, minor development works to meet DOT's operation and maintenance requirements and has a strength of about 389.

The C-DOT was created as an autonomous society for the development of switching system in 1984. Now all the research